- अब्राहम के निमित्त वाचा का एक दृश्य रूप बनाया जाता है।
- जब परमेश्वर वाचा बाँधता है, तब समय और स्थान सदाके लिये बदल जाते हैं!
- शुद्ध पशुओं को काटकर टुकड़े-टुकड़े करके अलग किया जाता है।
- ब्रित का अर्थ है – काटना या विभाजित करना।

मृत्यु के पश्चात् स्वर्ग जाने की कोई धारणा नहीं थी।

- मृत्यु कब्र पर समाप्त हो जाती थी
- शियोल
- पुराने नियम में परलोक का कोई स्पष्ट सिद्धांत नहीं है
- "शांति से अपने पुरखों में मिल जाना"
- एक पूर्ण जीवन-काल जीना ही एकमात्र आशा थी

- पद १७ वाचा बाँधने वाले पशुओं के टुकड़ों के बीच से होकर निकलते हैं
- केवल परमेश्वर ही बीच से होकर निकलते हैं!
- यह एक एकपक्षीय प्रतिज्ञा थी, बिना किसी शर्त के!
- परमेश्वर वाचा की शर्तों को दोहराते हैं
- अब्राहम को देश की सीमाएँ दी जाती हैं

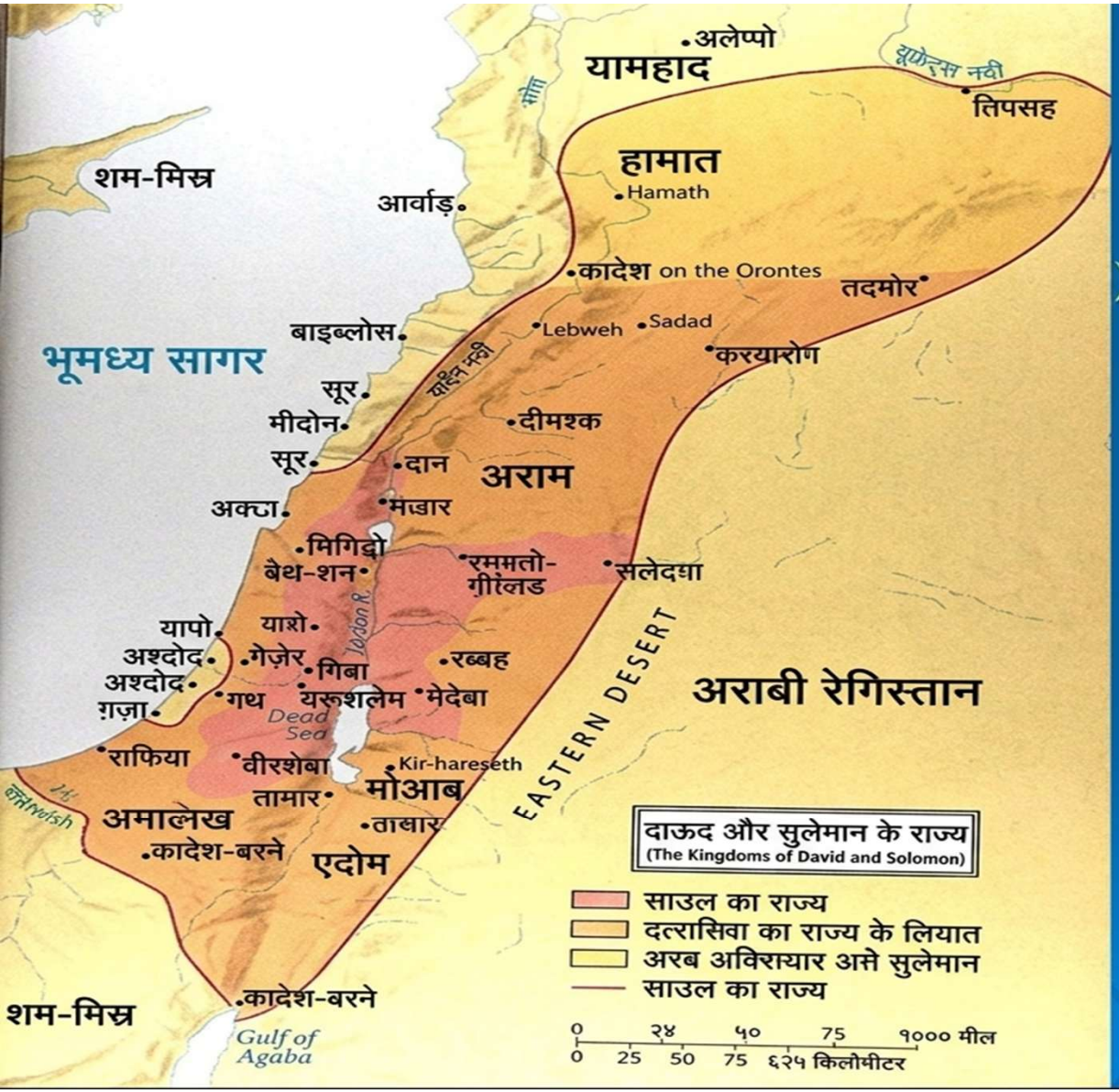

- इस्राएल ने दाऊद और सुलेमान के शासनकाल के दौरान (१००० ई.पू. से ९२५ ई.पू.) अपने चररम आकार को प्राप्त किया

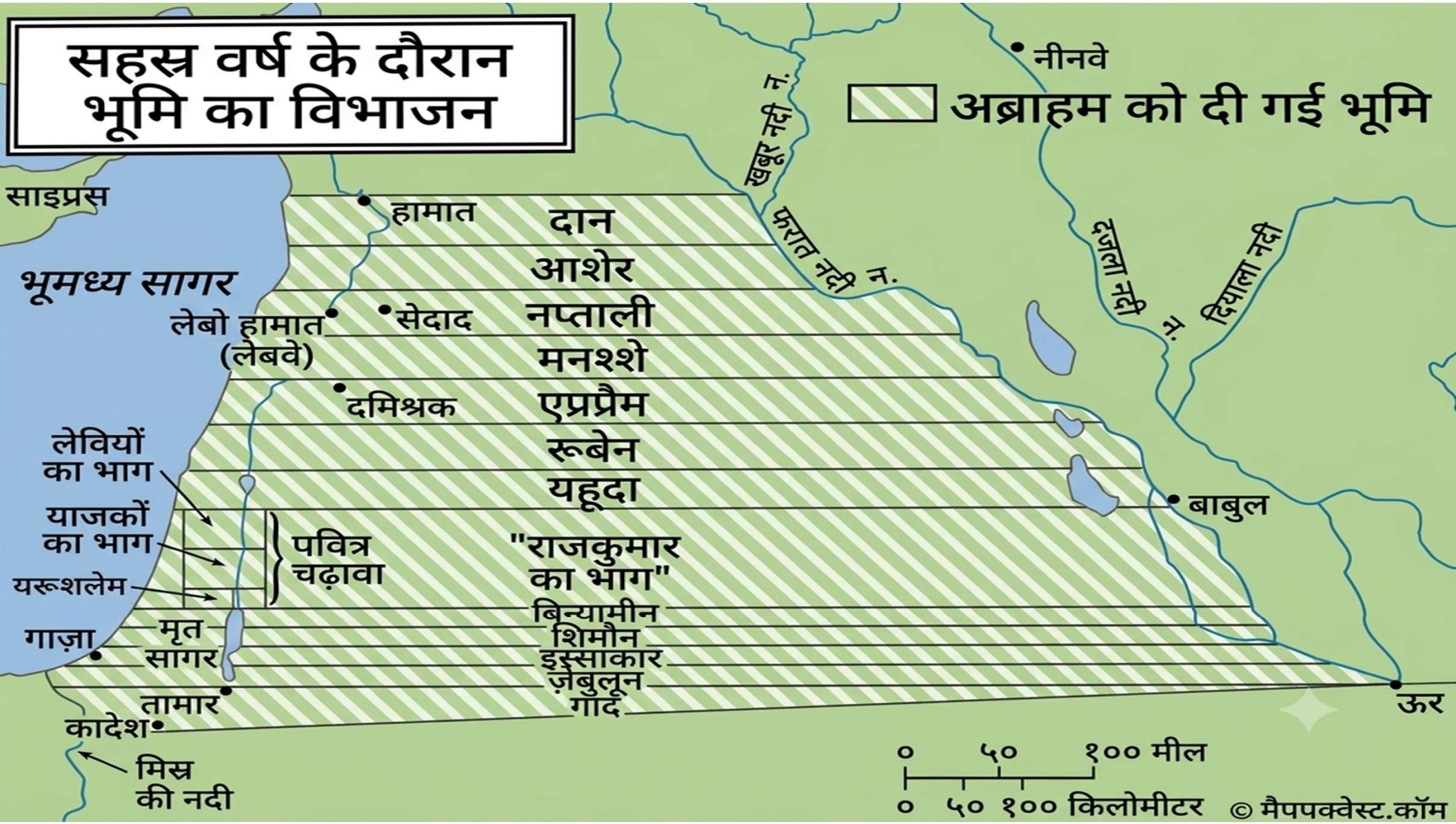
सहस्र वर्ष के दौरान भूमि का विभाजन
अब्राहम को दी गई भूमि
नीनवे
खबूर नदी न.
फरात नदी न.
दजला नदी न.
दियाला नदी
साइप्रस
भूमध्य सागर
हामात
दान
आशेर
नप्ताली
मनश्शे
एप्रप्रैम
रूबेन
यहूदा
"राजकुमार का भाग"
बिन्यामीन
शिमौन
इस्साकार
ज़ेबुलून
गाद
लेबो हामात (लेबवे)
सेदाद
दमिश्रक
बाबुल
ऊर
लेवियों का भाग
याजकों का भाग
यरूशलेम
पवित्र चढ़ावा
गाज़ा
मृत सागर
तामार
कादेश
मिस्र की नदी
० ५० १०० मील
० ५० १०० किलोमीटर
© मैपपक्वेस्ट.कॉम

अंकारा
तुर्की
कायसेरी
कोन्या
KONNUS MOUNTAINS
Icel (Mersin)
अदाना
ग़ाज़ियांतप
Ricosta
भूमध्य सागर
हलब
लातकिया
अराम
हिम्स
बेरुत
लबानोन
दमिश्रक
गोलाँ ऊँचाइयाँ
हाइफ़ा
इस्राएल
Haifa
यरूशलेम
गाज़ा
पश्चिमी तट
रब्बाह
मृत सागर
(Dead Sea - -410 म -४१० मी
तथ्यगत सीमा
De Facto Boundary
तथ्यगत सीमा
मोआब/अम्मोन
काहिरा
स्वेज़
स्वेज़
DNIS PENISULAA
मिस्र
EGYPT
Luxor
लक्सर
अस्वान
Aswān
हालाएब
Ministrative boundary
Hala'ib
लाल सागर
Tabuk
हिजाज़
Medina
Yanbu' al Bahr
अर्मेनिया
Armenia
येरेवन
अज़रबैजान
बाकू
Van
Lake Van
Diyarhakir
Tabriz
Lake Mersin
Rasht
Zanjan
Qazvin
Kirkuk
मोसुल
किरकुक
Tigra
ZAGROS
Kermanshah
Baghdad
बाबुल/अश्शूर
अन नासिरिया
Ahvāz
Abādān
कुवैत
KUWAIT
Hafar al Bājin
लुबैगा
Al Jubayl
Ad Dammām
Dhahran
BAH
अरब/मदियान
रियाद
SAUDI
ARABIA

“पीढ़ी” क्या है?

- पीढ़ी = दोर

- इसका अर्थ हो सकता है:
  1. माता-पिता और उनके सन्तानों के जन्म के बीच की आयु-कालावधि
  2. एक पूर्ण जीवन-काल
  3. उस समय में जीवित सभी लोग, जब कोई घटना घटित हुई
  4. “जीवन-काल” की अवधि बहुत भिन्न-भिन्न हो सकती है

बाइबिल में “पीढ़ी” शब्द विभिन्न समयों में विभिन्न अर्थों में प्रयुक्त होता है!

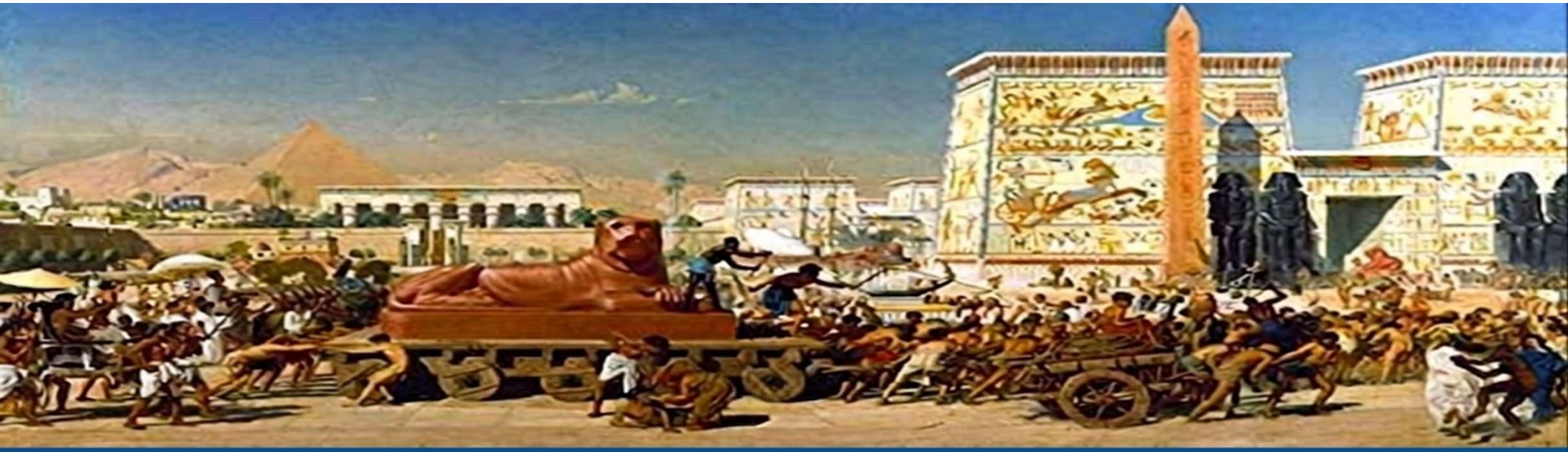

- इसराइल कितने समय तक मिस्र में था?
- उत्पत्ति १५ कहता है, ४ पीढ़ियां
- अन्य स्थान ४०० वर्ष कहते हैं
- निर्गमन १२:४० कहता है, ४३० वर्ष
- रब्बी परंपरा: ४०० वर्षों की अवधि इसहाक के जन्म से शुरू होती है.....
  ४३० वर्षों की अवधि अब्राहम के साथ अनुबंध से शुरू होती है
- रब्बी परंपरा की संख्या के अनुसार = मिस्र में २१० वर्ष
- सामरी पेंटाटेच कहता है ४३० वर्ष, और उसमें कुछ समय कनान का भी शामिल है
- स्पष्ट रूप से बाइबल में इस बात पर मतभेद हैं कि इसराइल ने मिस्र में कितना समय बिताया

अमोरियों का अधर्म

- इसका अर्थ है वह समय जब अमोरियों की दुष्टता परमेश्वर की दृष्टि में किसी सीमा को पार कर चुकी होती है।
- वह समय जिसे वह पहले से ही जानता है।
- तब इस्राएल को कनान की भूमि दी जाएगी।
- किसी समय “कनानी” और “अमोरी” सामान्य शब्द थे, जो कनान देश के समस्त लोगों को इंगित करते थे।

उत्पत्ति १६

- हारान से निकलने के बाद दस वर्ष बीत चुके हैं।
- वे मिस्र देश की यात्रा पर गए।
- फिरौन ने सारै को ले लिया।
- अब्राम को मिस्र से निकाल दिया गया, क्योंकि उसने सारै के विषय में झूठ बोला था कि वह उसकी बहन है।
- लूत सदोम में चला गया, और मेसोपोटामिया के राजाओं द्वारा वह पकड़ लिया गया।
- अब्राम मेल्किसेदेक से मिला।

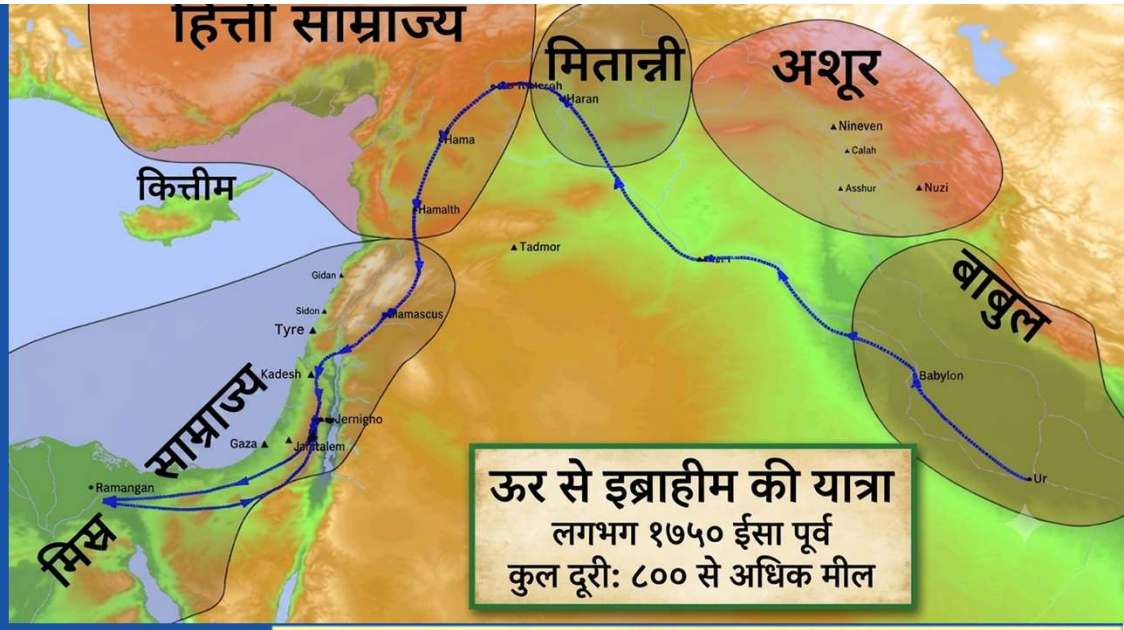

सारै हागार को अब्राम को देती है

- हागार, मिस्री दासी कन्या।
- हागार सारै के लिए गर्भ धारण करने वाली स्त्री (सरोगेट माँ) बनी।
- परम्परा के अनुसार, उत्पन्न होने वाला बालक सारै और अब्राम दोनों का ही समझा जाता था।
- अब्राम ने हागार से विवाह नहीं किया।
- हागार सारै की दासी बनी रही।
- ऊर-नम्मू की व्यवस्थाएँ।
- दासी केवल पत्नी की ही होती थी, वह सारै की व्यक्तिगत सम्पत्ति थी।

हागार को निकाल दिया गया

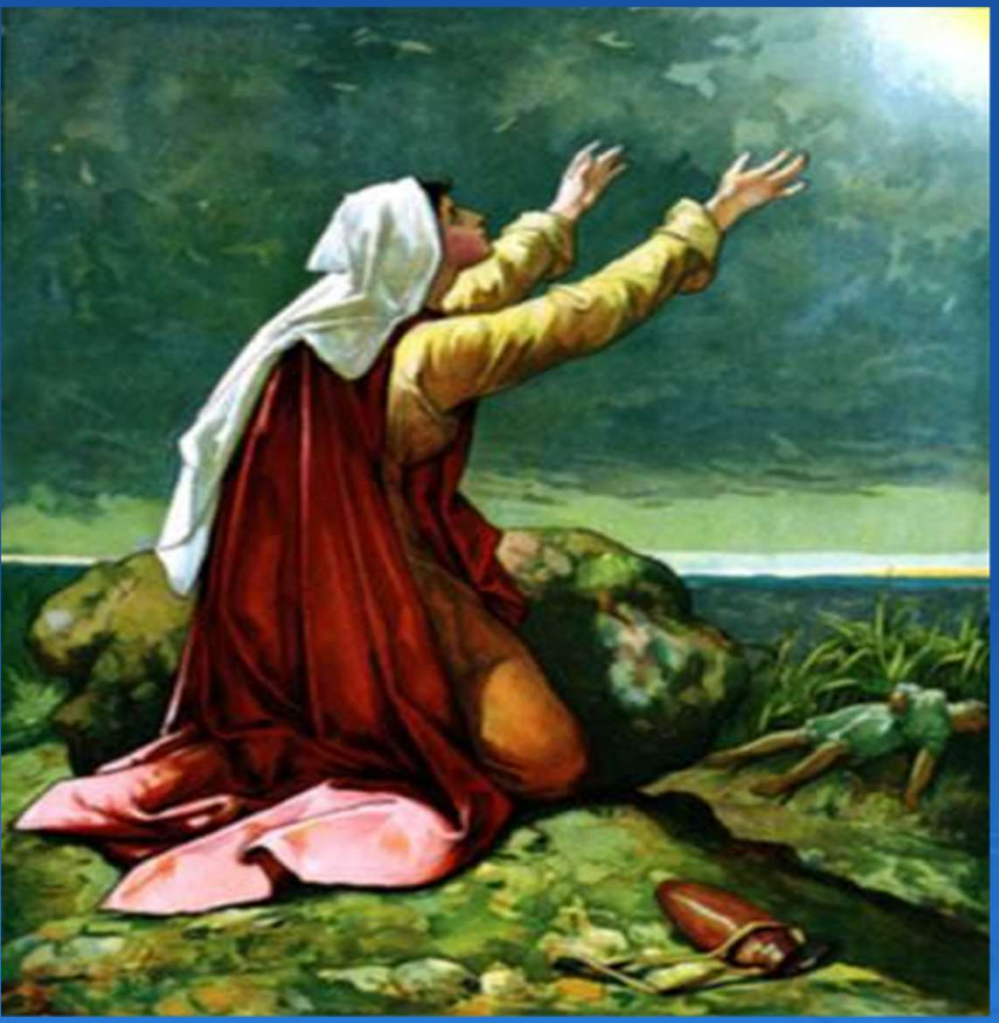

- सारै अब्राम के पास जाकर यह अनुमति नहीं माँगी कि वह हागार को निकाल दे।
- प्रभु का दूत हागार से कहता है कि वह लौट आए और सारै के अधीन होकर रहे।
- हागार को एक पुत्र होगा, जिसका नाम "इश्माएल" होगा।
- इश्माएल का अर्थ है "परमेश्वर ध्यान देता है"।

इश्माएल का भाग्य: जंगली गधे के समान मनुष्य, अपने कुटुम्बियों से युद्ध करता हुआ

- इश्माएल अरबों का पिता हुआ।
- अब्राहम ही अरबों और इस्राएलियों दोनों का पिता है।
- अरब और इस्राएली – ये दोनों शेम की वंशावली से हैं।
- समाचारों में जिन लोगों को “अरब” कहा जाता है, उनमें से अधिकांश अरब नहीं हैं... वे मिस्रवासी, फारसी (ईरान), और हम की वंशावली के अन्य लोग हैं।

प्रभु का दूत

- “मलाख” = दूत
- वास्तव में इसका अर्थ केवल “संदेशवाहक” ही है।
- कोई भी प्रकार का संदेशवाहक, सामान्यतः एक मनुष्य।
- “एन्जेलोस” (यूनानी शब्द) = संदेशवाहक।
- “मलाख यहोवा” का अर्थ है “यहोवा का दूत” अथवा “प्रभु का दूत”।
- बाइबिल में बहुत बार जब “दूत” कहा गया है, तो सम्भवतः वह एक मनुष्य ही होता है।
- “प्रभु का दूत” शायद एकमात्र अवसर है जिसमें वह संदेशवाहक एक आत्मिक प्राणी (स्वर्गदूत) होता है।